

हां पज हा १

२५/०५/२०

अधिकारों का इच्छा यह कि मूल ५१ पर
 फर १७७२ का खारिज किया जा चुका
 है अतः कि. फर २१२ का को
 कोई ऑनियम नहीं रहे जाना है
 अतः कि. फर २१२ का वर्तमान
 स्वरूप खारिज किया जाना है
 परन्तु कि. अथ. कोई कार्य नहीं
 अपेक्षा की है। परन्तु दायता अथ
 कि. फर की सात निर्दिष्ट की समीक्षा
 शकिक ७५

